दैनिक भारत कि

# तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२८८ वा | सोमवार १८ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

# असदुद्दीन ओवैसी का तुर्की पर तीखा हमला

## पाकिस्तान का समर्थन करने पर एआईएमआईएम प्रमुख ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली, १७ मई (आरके न्यूज़):

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच पाकिस्तान के पक्ष में बयान देने वाले तुर्की को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कड़ा रुख अपनाया है। मीडिया से बातचीत में ओवैसी ने तुर्की को अपनी विदेश नीति पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है।

ओवैसी ने कहा,

पाकिस्तान का समर्थन करने के अपने फैसले के बारे में तुर्की को दोबारा सोचना चाहिए। हमें तुर्की को यह लगातार याद दिलाते रहना चाहिए कि भारत में २० करोड़ मुस्लिम रहते हैं। पाकिस्तान जो बार-बार खुद को मुस्लिम देश कहता है, उससे ज्यादा मुस्लिम तो भारत में रहते हैं। पाकिस्तान का इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि,

मुझे लगता है भारत सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से देख रही होगी।

गौरतलब है कि भारत-पाक संघर्ष के समय से ही तुर्की की भूमिका को लेकर भारत में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

इससे पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (गछण) ने तुर्की की इनोनू यूनिवर्सिटी के साथ अपने शैक्षणिक समझौते को निलंबित कर दिया था। इसके बाद जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने भी तुर्की सरकार से मान्यता प्राप्त संस्थानों के साथ अपने सहयोग कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया।

भारत के कई राजनीतिक और शैक्षणिक हलकों में यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि तुर्की की पाकिस्तान समर्थक नीति भारत के आंतरिक सामाजिक संतुलन और रणनीतिक हितों के प्रतिकूल है। ओवैसी का बयान इसी प्रतिक्रिया की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

# पकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में महिला यूट्यूबर ज्योति गिरफ्तार, पूछताछ में किए बड़े खुलासे

दिल्ली: संवादाता

हिसार पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा तथा उसके पांच साथी शामिल हैं। ज्योति को हिसार के न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया है। ज्योति ट्रैवल विद जो नाम से अपना यू ट्यूब चैनल चलाती है।ज्योति ने पुलिस को बताया कि वह वर्ष २०२३ में वीजा लगवाने के लिए पाकिस्तान हाई कमीशन में गई थी। वहां उसकी मुलाकात अहसान उर रहीम उर्फ दानिश से हुई। उसने दानिश का मोबाइल नंबर ले लिया। दोनों की बातें होने लगी। उसके बाद उसने दो बार पाकिस्तान की यात्रा की थी। ज्योति ने बताया कि पाकिस्तान में अहसान उर रहीम के कहने पर उनके जानकार अली अहवान से मिली। अली अहवान ने उसके घूमने फिरने और रहने का प्रबंध किया। अली अहवान ने पाकिस्तानी इंटेलीजेंस तथा सिक्योरिटी के अधिकारियों से उसकी मुलाकात कराई।

ज्योति ने बताया कि वह राणा शहबाज और शाकिर से भी मिली। उसने शाकिर का मोबाइल नंबर भी लिया और अपने मोबाइल में जट रंधावा के नाम से सेव कर लिया ताकि किसी को शक न हो। वापस भारत आने के बाद व्हाटस एप, स्नैप चैट, टेलिग्राम के माध्यम से उन लोगों के संपर्क में रहने लगी। देश विरोधी सूचनाएं उन तक पहुंचाने लगी।

ज्योति ने पूछताछ में बताया कि वह पाकिस्तानी इंटेलीजेंस आप्रेटिव के संपर्क में भी है। बता दें कि अहसान उर रहीम उफ दानिश को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने जासूसी के आरोप में पर्सन नोन ग्राटा घोषित किया हुआ है। ज्योति को भी पर्सन नोन ग्राटा घोषित किया गया है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार दोपहर बाद उसे अदालत में पेश किया जाएगा।

# परळी के जलालपुर में युवक पर भीड़ द्वारा जानलेवा हमला, ७ आरोपी पुलिस हिरासत में

## शिवराज दिवटे हमले के मामले में एक नाबालिग सहित सात गिरफ्तार, अफवाहें न फैलाने की अपील - पुलिस अधीक्षक नवनीत कॉवत का बयान

परळी, १७ मई (प्रेस नोट):

परळी तालुका के जलालपुर गांव में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मामूली विवाद को लेकर एक १८ वर्षीय युवक शिवराज नारायण दिवटे पर भीड़ द्वारा जानलेवा हमला किया गया। यह घटना शनिवार सुबह ११:३० बजे हनुमान मंदिर परिसर में हुई, जब मंदिर में एक धार्मिक आयोजन चल रहा था।

शिवराज दिवटे, जो लिंबोटा (परळी, बीड़) के निवासी हैं, अपने मित्र जयदीप मुंडे के साथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान वे दोनों वहीं बैठकर भोजन कर रहे थे, तभी कुछ स्थानीय युवकों में आपस में विवाद हो गया। इसी दौरान घटना ने हिंसक रूप ले लिया और शिकायतकर्ता दिवटे पर भी हमला किया गया।

इस गंभीर मामले में संभाजीनगर परळी पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने एक नाबालिग सहित कुल ७ आरोपियों को हिरासत में लिया है। जांच तेजी से जारी है और अन्य संदिग्धों की पहचान भी की जा रही है।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था, जिसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत कांत ने जनता से संयम बरतने और सोशल मीडिया पर अफवाहें न फैलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह घटना किसी धार्मिक द्वेष के कारण नहीं बल्कि आपसी व्यक्तिगत विवाद से संबंधित है। मामले में और भी जानकारी आने की संभावना है।

# 'भारतीय वायुसेना ने कितने लड़ाकू विमान खोए?'-राहुल गांधी ने सरकार से पूछा सवाल

## ऑपरेशन सिंध को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता का गंभीर आरोप, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, संवाददाता

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंध' को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए सवाल किया है कि इस अभियान के दौरान भारतीय वायुसेना ने कितने लड़ाकू विमान गंवाए? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने हमला शुरू करने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया, जिसके कारण भारत को नुकसान उठाना पड़ा।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा,

हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचना देना एक अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया।

उन्होंने आगे पूछा,

इसकी अनुमति किसने दी? इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना को कितने विमान खोने पड़े?

क्या कहा विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने?

कांग्रेस नेता द्वारा साझा किए गए वीडियो में विदेश मंत्री एस. जयशंकर को यह कहते हुए सुना जा सकता है:

ऑपरेशन की शुरुआत में हमने पाकिस्तान को संदेश भेजा कि हम आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला कर रहे हैं, सेना पर नहीं। इसलिए सेना को इस कार्रवाई में हस्तक्षेप न करने और दूर रहने का विकल्प दिया गया था। लेकिन उन्होंने इस सुझाव को नहीं माना।

पीआईबी फैक्ट चेक का क्या कहना है? सरकार की ओर से इन आरोपों को खारिज किए जाने के बाद राहुल गांधी ने ये सवाल दोबारा उठाए हैं। इससे पहले पीआईबी (प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो) के फैक्ट चेक ने स्पष्ट किया था कि

विदेश मंत्री ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट्स में एस. जयशंकर के बयान को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया गया है, जिससे यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि भारत ने ऑपरेशन सिंध से पहले पाकिस्तान को सूचित किया था। पीआईबी ने इसे भ्रामक और गलत दावा बताया है और जनता से ऐसी सूचनाओं की सत्यता जांचने की अपील की है।

# पाकिस्तान जाने से बेहतर है नरक जाना-जावेद अख्तर का बयान संजय राउत की पुस्तक 'नरकातील स्वर्ग' के प्रकाशन समारोह में

## राष्ट्रवादी के शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने भी की तीखी टिप्पणियाँ, कहा-लोकतंत्र को बचाने की जरूरत

जमीर काजी: मुंबई

वरिष्ठ लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने रविवार को मुंबई के प्रभादेवी स्थित रवींद्र नाट्यमंदिर में आयोजित संजय राउत की नई पुस्तक 'नरकातील स्वर्ग' के प्रकाशन समारोह में कहा -

मैं जो बात नहीं मानता, उस पर खुलकर बोलता हूं, इसलिए मुझे ट्रोल किया जाता है और पाकिस्तान जाने की सलाह दी जाती है। लेकिन मैं पाकिस्तान जाने के बजाय नरक जाना ज्यादा पसंद करूंगा।

इस मौके पर मंच पर राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के अध्यक्ष शरद पवार, शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे, और तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले भी मौजूद थे। समारोह में महाविकास आघाड़ी के कई नेता, पूर्व मंत्री, साहित्य प्रेमी और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

प्रेस की स्वतंत्रता और निष्पक्ष मीडिया की मांग जावेद अख्तर ने कहा,

सच बोलने और भीड़तंत्र के खिलाफ आवाज उठाने की कीमत चुकानी पड़ती है। ऐसे में देश में न सिर्फ ईमानदार नेता और अधिकारी, बल्कि निष्पक्ष मीडिया का होना भी जरूरी है। मुझे अक्सर 'जिहादी' या 'धर्म विरोधी' कहकर ट्रोल किया जाता है। लेकिन मैं फिर भी सच्चाई के साथ खड़ा रहूंगा।

संजय राउत की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, वह टी२० के खिलाड़ी हैं, हमेशा चौके-छक्के मारते हैं, डरते नहीं हैं। उनके साथ मेरा संबंध विशेष रहा है। लोकतंत्र में सभी पार्टियों की भूमिका जरूरी होती है, और एक निष्पक्ष नागरिक वर्ग भी जरूरी है जो बिना किसी दलगत झुकाव के सही को सही और गलत को गलत कह सके। शरद पवार का आरोप - ईडी का दुरुपयोग, संजय राउत को जेल भेजा गया

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में गलत काम हो रहे थे, जिस पर संजय राउत ने केंद्र सरकार से सवाल किए और उन्हें जेल जाना पड़ा। उनकी लेखनी कुछ लोगों को चुभती थी, इसलिए उन्हें फंसाया गया। पत्राचाळ घोटाले के बहाने उन्हें निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि

एकनाथ खडसे के दामाद इंग्लैंड में थे, लेकिन जैसे ही शिकायत आई, उन्हें भारत लाकर ईडी ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनका कोई लेना-देना नहीं था। अनिल देशमुख पर भी १०० करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया, जो अंत में १ करोड़ पर आकर सुलझ गया। यह सब सत्ता के दुरुपयोग का प्रमाण है।

उद्धव ठाकरे का हमला - सरकार ने देश को 'नरक' बना दिया, इस तानाशाही को खत्म करना होगा

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस मौके पर कहा:सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन यह सरकार तो देश को स्वर्ग से नरक में ले आई है। अब इस सरकार को हमें हटाना ही होगा। हम पहले भी कई लड़ाइयाँ लड़ चुके हैं, आगे भी लड़ते रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा,

संजय राउत की किताब जेल की असलियत को सामने लाती है। जो लोग सिर्फ रिपोर्ट्स में पढ़ते हैं, उन्हें यह किताब पढ़कर पता चलेगा कि बंदियों को किन यातनाओं से गुजरना पड़ता है। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की बात हो रही है, तो फिर सबको बराबरी पर लाओ। प्रधानमंत्री देश के होते हैं, उन्हें सिर्फ एक पार्टी के प्रचारक की तरह काम नहीं करना चाहिए। प्रधानमंत्री के विशेषाधिकारों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि

जब प्रधानमंत्री की रैली होती है, तो विपक्ष के नेताओं के विमानों को उड़ान की अनुमति नहीं दी जाती। ऐसा लोकतंत्र में कैसे हो सकता है? आप हमें दुश्मन क्यों मानते हैं? - अमित शाह को उद्धव ठाकरे का सवाल

अपने भाषण के अंत में उद्धव ठाकरे ने कहा: अमित शाह जी, आप हमें दुश्मन क्यों समझते हैं? मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम पाकिस्तान से भी बदतर हो गए हैं। आप हमें खत्म करना चाहते हैं?

उन्होंने कहा कि आपका हिंदुत्व संकीर्ण है, हमारा हिंदुत्व राष्ट्रवाद पर आधारित है। आज जो कुछ हो रहा है, वह तानाशाही का संकेत है। अब समय आ गया है कि जनता जागे और लोकतंत्र की रक्षा करे।

# उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

# शेतकऱ्यांनी फार्मर आयडी काढुन घ्यावा-विधायक विजयसिंह पंडित

## खरीफ पूर्व तैयारी की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

गेवराई, १७ मई (प्रतिनिधि): गेवराई तालुका में अब तक लगभग ५५% किसानों ने फार्मर आईडी बनवाया है। आगामी समय में सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य होगा, इसलिए सभी किसानों को जल्द से जल्द फार्मर आईडी बनवाने की अपील विधायक विजयसिंह पंडित ने की है।

खरीफ पूर्व तैयारियों की समीक्षा के लिए तालुका कृषि कार्यालय में शनिवार, १७ मई को एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक विजयसिंह पंडित ने की। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी तथा खाद-बीज विक्रेता उपस्थित थे।

बैठक में विधायक पंडित ने बताया कि गेवराई तालुका में खरीफ सीजन के लिए १,००० मीट्रिक टन यूरिया की मांग है, लेकिन वर्तमान में केवल ३०० मीट्रिक टन यूरिया ही उपलब्ध है। इस यूरिया की कमी को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने जिल्हा अधीक्षक कृषि अधिकारी सुभाष साळवे को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही, खाद आपूर्ति के लिए जालना रैक पॉइंट को उपयुक्त बताते हुए पुराने रैक स्थान को बदलने और जालना में स्थापित करने की मांग की।

इसके अलावा, कपास के बीजों की कृत्रिम कमी के चलते किसानों के आर्थिक शोषण पर भी विधायक ने चिंता जताई और कृषि अधिकारियों को इस पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पोखरा योजना के अंतर्गत आने वाले गांवों में जनजागरूकता अभियान चलाने और अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं से लाभान्वित करने की अपील की।

बैठक में खरीफ पूर्व तैयारियों के साथ-साथ विभिन्न कृषि योजनाओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर तालुका कृषि अधिकारी अभय वडकुते, मंडल अधिकारी सतीश केसभट, अश्विनी मस्के, माधुरी माळी, काकासाहेब पंडित, कृषि पर्यवेक्षक किशोर पठाडे, विस्तार अधिकारी सुरडकर, तथा खाद-बीज विक्रेता शांतीलाल पिसाळ, गोपाळ मोटे, जगदीश काळे, जगदीश बारगजे, उद्धव ढोक, निलेश ढाकणे, अखील शेख, तालेबभाई, हरिभाऊ चाळक, रामभाऊ चाळक, पिंटू कुटे, अजिंक्य ठोसर आदि उपस्थित थे।

# प्रो. नईमा खातून बनी रहेंगी कुलपति, हाईकोर्ट ने नियुक्ति को बताया वैध, सभी याचिकाएं खारिज

## इलाहाबाद उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला, प्रो. खातून की नियुक्ति पर उठे सभी सवालों को किया खारिज, विश्वविद्यालय की प्रक्रियाओं को बताया पारदर्शी

अलीगढ़, १७ मई (आरके न्यूज़):

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (-चण) की पहली महिला कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून की नियुक्ति को लेकर दाखिल की गई सभी याचिकाओं को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्र और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि प्रो. खातून की नियुक्ति एएमयू अधिनियम, विनियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप की गई है और इस पर कोई सवाल नहीं उठता।

याचिकाओं में यह आरोप लगाया गया था कि प्रो. खातून के पति प्रो. मोहम्मद गुलरेज़, जो उस समय कार्यवाहक कुलपति थे, ने उन बैठकों की अध्यक्षता की जिसमें प्रो. खातून के नाम की अनुशंसा की गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गुलरेज़ की भूमिका औपचारिक थी और इससे चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

राष्ट्रपति द्वारा हुआ अंतिम चयन: पक्षपात का कोई आधार नहीं

कोर्ट ने यह भी कहा कि कुलपति का अंतिम चयन भारत के राष्ट्रपति, जो विश्वविद्यालय के विज़िटर होते हैं, उनके विवेकाधिकार के तहत हुआ है, और उन पर किसी भी प्रकार के पक्षपात का कोई प्रमाण नहीं है। प्रो. नईमा खातून की योग्यता और पात्रता पर कोई विवाद नहीं पाया गया, जिससे यह निष्कर्ष निकला कि उनकी नियुक्ति पूरी तरह वैध और निष्पक्ष है।

खंडपीठ ने स्पष्ट किया –

इसका उत्तर निश्चित रूप से 'नहीं' होना चाहिए। हमने देखा कि प्रो. नईमा खातून की योग्यता कोई मुद्दा नहीं है। उनका चयन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया गया है, और उनके निर्णय पर कोई पक्षपात का आरोप नहीं लगाया गया।

प्रो. नईमा खातून की प्रतिक्रिया – यह न्याय नहीं, एक प्रेरणा है

कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कुलपति प्रो. नईमा खातून ने कहा,

मुझे भारत की न्यायपालिका की स्वतंत्रता, गरिमा और निष्पक्षता पर हमेशा पूर्ण विश्वास रहा है। यह निर्णय न केवल मेरे लिए व्यक्तिगत न्याय है, बल्कि हमारे उच्च शिक्षा संस्थानों की प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि भी है।

उन्होंने आगे कहा,

मैं एएमयू की सेवा पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समावेशी शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ करती रहूंगी। मुझे आशा है कि यह निर्णय हम सभी के लिए एक प्रेरणा बनेगा और विश्वविद्यालय की ज्ञान, न्याय और प्रगति की विरासत को आगे बढ़ाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

# ईडीके डर से 'मातोश्री' में फूट-फूट कर रोए विधायक वायकर, बोले - या तो अटैक से मर जाऊँगा या आत्महत्या करनी पड़ेगी: संजय राउत की किताब का दावा

## संजय राउत की किताब नरकातला स्वर्ग के खुलासों से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल

मुंबई, प्रतिनिधि:

शिवसेना (ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत की हाल ही में प्रकाशित किताब नरकातला स्वर्ग में किए गए सनसनीखेज दावों से महाराष्ट्र की राजनीति में जबरदस्त खलबली मच गई है। किताब में दावा किया गया है कि एऊ की कार्यवाही से भयभीत तत्कालीन विधायक रविंद्र वायकर इतना डर गए थे कि उन्होंने खुद मातोश्री (उद्धव ठाकरे का निवास) जाकर रोते हुए कहा –

मुझे अटैक आ जाएगा या आत्महत्या करनी पड़ेगी, लेकिन मैं जेल में मरना नहीं चाहता।

राउत की इस किताब में लिखा गया है कि एऊ, उइख जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई और सरकार के दबाव के कारण विपक्षी नेताओं पर जबरदस्त मानसिक तनाव था। कई विधायक और सांसद इस दबाव में आकर पार्टी बदलने को मजबूर हो गए। रविंद्र वायकर भी इसी दबाव का शिकार हुए।

किताब में उल्लेख किया गया है कि वायकर, जो शिवसेना के वफादार विधायक माने जाते थे और उद्धव ठाकरे की 'किचन कैबिनेट' का हिस्सा थे, एकनाथ शिंदे के विद्रोह के समय उनके साथ नहीं गए। लेकिन अचानक किरिट सोमैया ने उन्हें निशाने पर लेना शुरू किया और रायगढ़ की ज़मीन पर ९ बंगले बनाने का झूठा आरोप लगाया। इन बंगलों को ठाकरे परिवार से जोड़ा गया।

झूठे मुकदमे दर्ज हुए और आर्थिक अपराध शाखा ने जांच शुरू की, जिसे बाद में एऊ को सौंप दिया गया। जैसे ही वायकर की गिरफ्तारी की चर्चा शुरू हुई, वह और उनका परिवार मातोश्री पहुँच गया और फूट-फूट कर रोया। उन्होंने उद्धव ठाकरे से कहा कि उन्हें जेल में जाने की हिम्मत नहीं है और न ही एऊ के आतंक का सामना करने का साहस।

या तो मुझे हार्ट अटैक आ जाएगा या मुझे आत्महत्या करनी पड़ेगी। जेल में मरने से बेहतर है बाहर मरूं, वायकर ने ऐसा कहा। यह देख कर उद्धव ठाकरे भी स्तब्ध रह गए। जिन्हें वो अब तक 'शेर' समझते थे, उनके डर को देख वह भी निराश हो गए।

राउत लिखते हैं कि इसके बाद वायकर ने पार्टी छोड़ दी और शिंदे गुट में शामिल हो गए। उसी क्षण उनके सारे मुकदमे वापस ले लिए गए, जिससे यह साबित होता है कि मुकदमे झूठे थे और सिर्फ दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए थे।

संजय राउत ने यह भी लिखा है कि प्रताप सरनाईक, गुलाबराव पाटिल जैसे कई नेताओं ने भी एऊ की गिरफ्तारी के डर से पार्टी बदली। सरनाईक पर तो एऊ ने छापेमारी भी शुरू कर दी थी।

राउत के इन दावों से राज्य की राजनीति में एक बार फिर सत्ता और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग पर बहस शुरू हो गई है।

# 'वन नेशन वन इलेक्शन' को लेकर संयुक्त समिति ने महाराष्ट्र में राजनीतिक नेताओं व बैंकिंग क्षेत्र से की गहन चर्चा

## मुंबई में संविधान संशोधन विधेयक २०२४ पर वरिष्ठ अधिकारियों, राजनीतिक दलों, आरबीआई व अन्य संस्थानों से विस्तृत विमर्श

मुंबई, १७ मई (विशेष प्रतिनिधि):

देश में 'वन नेशन वन इलेक्शन' (एक साथ चुनाव) लागू करने के उद्देश्य से भारतीय संविधान (१२९वां संशोधन) विधेयक, २०२४ और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, २०२४ के संदर्भ में गठित संयुक्त समिति ने शनिवार को महाराष्ट्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनीतिक दलों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, विभिन्न बैंकों और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों से गहराई से चर्चा की।

मुंबई के ताज होटल में इस विषय पर आयोजित बैठक के बाद लोकसभा सदस्य पी. पी. चौधरी, धर्मेंद्र यादव, और राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवारी ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

इस दौरान समिति ने राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक साथ चुनावों के आर्थिक और प्रशासनिक प्रभावों पर चर्चा की। अधिकारियों ने समिति को आश्वासन दिया कि वे इस विषय पर गहन अध्ययन करेंगे और विशेष रूप से शिक्षा क्षेत्र पर एक साथ चुनावों के संभावित सकारात्मक प्रभावों की जानकारी साझा करेंगे। इसके बाद समिति ने महाराष्ट्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण शामिल थे, से मुलाकात कर संविधानिक, तार्किक और व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा की। समिति ने आगे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (ठइख) के प्रतिनिधियों के साथ भी संवाद किया, जिसमें चुनावों की असमयता के कारण आर्थिक नीतियों पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हुई। ठइख के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे इस विषय पर समग्र और विस्तृत अध्ययन करेंगे ताकि लगातार चुनावों से उत्पन्न होने वाली राजनीतिक और नीतिगत अनिश्चितता को समझा जा सके।

अंत में, समिति ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक, यूनियन बैंक, एलआईसी, जीआईसी और नाबार्ड सहित बैंकिंग और बीमा क्षेत्र की प्रमुख संस्थाओं के प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि वे 'इंडियन बैंक्स एसोसिएशन' के माध्यम से एक साथ चुनावों का बैंकिंग प्रणाली व ऋण संस्कृति पर संभावित प्रभाव का अध्ययन करेंगे और उसका प्रतिवेदन समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। यह बैठक 'वन नेशन वन इलेक्शन' की व्यवहारिकता और इसके दूरगामी प्रभावों को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com